एकल नारी शक्ति संस्थान – राजस्थान

वार्षिक प्रतिवेदन
1 अप्रेल 2018 से 31 मार्च 2019

क्षेत्रीय कार्यालय : 3, पीपल्दा हाउस, राजभवन रोड़, सिविल लाईन कोटा : 324008 (राज0)

फोन नं. : 0744–2450726

रजि0 कार्यालय : 39, खारोल कॉलोनी, उदयपुर –313004 (राज0)

फोन नं0 : 99294–20703

अनुक्रमणिका

क.सं.	विवरण	पेज नं0
1.	➢ आवरण पृष्ठ	0
2.	➢ अनुकमणिका	1
3.	➢ संगठन की पृष्ठभूमि, लक्ष्य	2
4.	➢ संस्थान का उद्देश्य ➢ सफल केस स्टडी "जहॉ अपने साथ नही देते ...."	3
5.	➢ संस्थान की वार्षिक गतिविधियॉ ▪ क्षमतावर्धन प्रशिक्षण	4–5
6.	➢ सफल केस स्टडी "सहरिया समाज की महिलाओं पर से हटे प्रतिबन्द"	6
7.	▪ संस्थान की कार्यकारिणी सदस्य बैठक, ▪ संस्थान की आमसभा सदस्य बैठक	7
8.	➢ किसान महिला आयोजना बैठक	8
9.	➢ 23 जून अर्न्तराष्ट्रीय महिला सशक्तिकरण दिवस	9
10.	सफल केस स्टडी ▪ कैसे कह दू अकेली हूॅ और थक गई हूॅ........ ▪ बहिनो की जुबानी	10
11.	बहिनादूज " जश्न बहिनचारे का... अजमेर ▪ बहिनादूज कार्यक्रम डोनेशन, ▪ बहिनो ने रखे अपने विचार ...	11–13
12.	राज्य स्तरीय किसान महिला सम्मेलन	14–15
13.	केस स्टडी ...... "आखिर स्वच्छ पानी भी हमारा अधिकार है"	15
14.	संस्थान की उपलब्धिया व डोनेशन रिकार्ड	16
15.	वार्षिक कार्य के आंकडे	17–20
16.	संस्थान के कार्यक्रम की फोटो झलकियॉ	21

एकल नारी शक्ति संस्थान – राजस्थान

वार्षिक प्रतिवेदन

1 अप्रेल 2018– 31 मार्च 2019

❖ पृष्ठभूमि –

एकल नारी शक्ति संस्थान राजस्थान की गरीब मजबूत एकल महिलाओ की एक संस्था है। जिसमे सभी आय, वर्ग, धर्म व जाति की बहिने जुडी हुई है। संस्थान राजस्थान मे एकल महिलाओं के सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक सशक्तिकरण करने के उद्देश्य से पिछले 18 वर्षो से राज्य मे कार्य कर रहा है। असंगठित रुप से अपनी समस्याओं के समाधान, हक अधिकारो के लिए जूझ रही एकल महिलाओं को समाज की मुख्य धारा से जोडने, उन्हे अपने हक अधिकार के साथ सम्मानपूर्ण व बेहतर जीवन के लिए प्रयास**रत है।**

इसके लिए संस्थान द्वारा एकल महिलाओं की मजबूती के लिए समय–समय पर गतिविधिया आयोजित की जाती है। संस्थान द्वारा 1 अप्रेल 2018 से 31 मार्च 2019 तक विभिन्न प्रकार की निम्नलिखित गतिविधियां आयोजित की गई।

❖ संस्थान का लक्ष्य –

सभी समाज की गरीब एकल महिलाऐं पारस्परिक सहयोग से अपनी शारीरिक मानसिक,पारिवारिक, सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक एंव कानूनी स्थिति में सुधार लाकर सशक्त नागरिक बने और गुणवत्तापूर्ण जोवन जीयें। इस संघर्ष की प्रक्रिया से अपने में और समाज में शक्ति का संचार करे।

❖संस्थान का उद्देश्य –

- एकल महिलाओं को एकल महिलाओ से जुडी सरकारी योजनाओं व कानूनो की जानकारी देना।
- एकल महिलाओं पर होने वाली हिंसा व अत्याचार को रोकने का प्रयास व न्याय दिलवाने मे सहयोग करना।
- जमीन सम्पत्ति सम्बन्धी अधिकार दिलाने का प्रयास।
- एकल महिलाओं से जुड़ी सामाजिक कुरितियो मे बदलाव का प्रयास।
- एकल महिलाओं मे ऐसा समन्वय स्थापित करना जिससे वो एक–दूसरे की दुख दर्द मे मदद कर सके।
- आय संवर्धन योजनाओ से लिंक करना जिससे आर्थिक सशक्तिकरण हो सके।

सफल केस स्टडी

जहॅा अपने साथ नही देते वहॅा.... –चन्द्रीका

यह कहकर मेरी बहिनो ने मेरे हौंसले बढ़ाये है,
कि बहिन तू अकेली नही तेरे साथ हजारें बहिनो का साथ व दुआऐ है।

मै चन्द्रीका उम्र 70 साल निवासी मोखापाड़ा कोटा पिछले 12 साल से संस्थान से जुड़ी हुई हूॅ। मेरे दो बेटे थे जिनमे से एक बहार रहता है ओर एक को केन्सर हो गया। उसके तीन बच्चे है ओर मेरी बहू मेरे बेटे को केन्सर होने के कारण बेटे व बच्चो को छोड़कर चली गई। मै अपने पोते पोती का बस्ती मे मांग करके मजदूरी करके पेट पालन करती थी। ओर जब बेटे की केन्सर से ज्यादा स्थिति बिगडती गई तो फिर मैने यह बात संस्थान की सहयोगी बहिनो के सामने रखी। उन्होने कई दान दाताओं से बात करके व बहिनो का सहयोग लेकर मेरे घर 10–12 हजार का किराना सामान पहॅुचाया। व बेटे के लिए दवाईयॉ व अन्य सामग्री भी पहॅुचायी। जिससे मुझे बहुत ही राहत मिली। और हमारे आस पड़ोस के लोगो ने भी संस्थान का सहयोग देखकर मुझे और सहयोग किया।

12 दिसम्बर 2018 को मेरी पोती की शादी थी। और मेरी स्तिथि ऐसी नही थी कि मै शादी कर सकू। तो संस्थान की बहिनो ने लोगो से सामान व सहयोग एकत्रित कर मेरी पोती की शादी मे मेरा बहुत बड़ा सहयोग किया। संस्थान की बहिने हमेशा मेरे साथ ऐसे खडी रही। जैसे सगी बहिने व परिवार होता है। आजकल जहॉ खून के रिश्ते एक दूसरे का साथ नही देते वही मेरी संस्थान की बहिनो ने मेरी मदद कर मेरी सारी समस्याओ का समाधान किया। और यह बात साकार की कि केवल संस्था नाम की ही हमारा परिवार नही, वास्तविक परिवार हैं। मै सभी बहिनो को बहुत–बहुत धन्यवाद् देती हूॅ।

संस्थान की मुख्य वार्षिक गतिविधियाँ

क्षमतावर्धन प्रशिक्षण

❖ पंचायत स्तरीय लीडर्स क्षमतावर्धन प्रशिक्षण –

एकल नारी शक्ति संस्थान राजस्थान मे पिछले 19 वर्षो से गरीब विधवा एकल महिलाओं के सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक व राजनैतिक सशक्तिकरण के लिए प्रयासरत् है। संस्थान की पंचायत व गांव स्तर पर ज्यादा से ज्यादा एकल महिलाओं तक पहुॅच व एकल महिलाओं की समस्याओं का समाधान हो, एकल महिलाओं की नयी लीडरशीप निकलकर आये इसी उद्देश्य से संस्थान द्वारा पंचायत स्तर पर 2 एकल महिला लीडर्स का पंचायत स्तरीय क्षमतावर्धन प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

पंचायत प्रशिक्षण के दोरान गांव के लोगो को एकल महिला मुद्दों को समझाती एकल महिला

प्रशिक्षण मे दिनांक, स्थान व संभागी –

दिनांक – 14 अगस्त 2019 : स्थान : माधोराजपुरा, ब्लाक के0पाटन, जिला–बून्दी मे ब्लाक लीडर्स व पंचायत लीडर्स का क्षमतावर्धन प्रशिक्षण आयोजित किया गया। जिसमे 9 ब्लाक लीडर्स व 5 पंचायत एकल महिला लीडर्स व 30 एकल महिलाओं ने भाग लिया।

एकल महिला लीडर्स का पंचायत स्तरीय प्रशिक्षण जिसमे पंचायत पर बैठक लेना सीखती एकल महिला लीडर्स

दिनांक – 6 सितम्बर, 2018 स्थान : रानोली पंचायत, पीपराली ब्लाक, जिला–सीकर मे पंचायत स्तरीय नैतृत्व क्षमतावर्धन प्रशिक्षण आयोजित किया। जिसमे 6 ब्लाक लीडर्स व 5 पंचायत लीडर्स व 40 एकल महिला व अन्य महिलाओ ने भाग लिया। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य पंचायत व गांव स्तर पर एकल महिलाओं की समस्याओ का समाधान व वंचित एकल महिलाओ के हिंसा के केस, जमीन सम्पत्ति का अधिकार दिलवाना व रोजगार से कैसे जोड़ना साथ ही संगठित होकर कैसे अपनी समस्याओ का समाधान कर सकती है। इसके बारें मे जाना। संस्थान द्वारा आयोजित दो पंचायत स्तरीय प्रशिक्षण मे 25 एकल महिला लीडर्स ने भाग लिया।

❖ संस्थान से जुड़ी एकल महिला लीडर्स क्षमतावर्धन प्रशिक्षण –

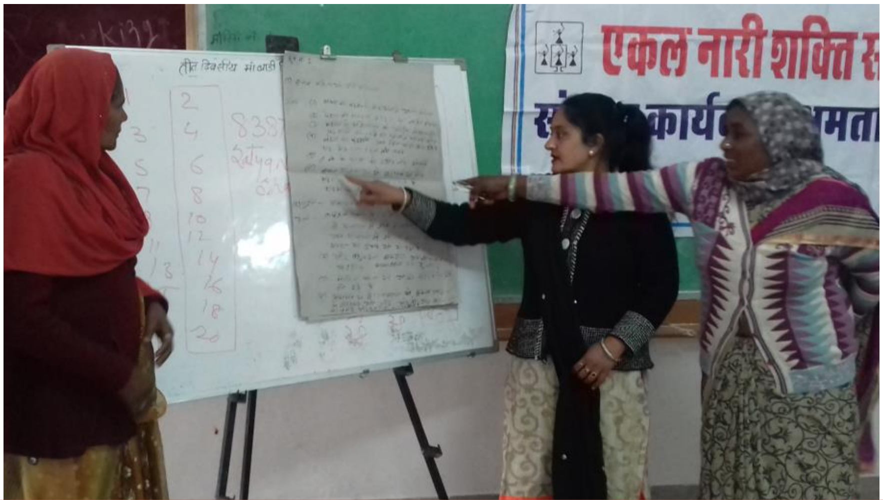

समूह चर्चा का प्रस्तुतीकरण करती एकल महिला लीडर्स

स्थानीय स्तर पर डोनेशन मांगने का रोल प्ले करती लीडर्स

दिनांक 31 जनवरी 1 फरवरी 2019 को एकल नारी शक्ति संस्थान से जुड़ी एकल महिला लीडर्स का दो दिवसीय क्षमतावर्धन प्रशिक्षण आस्था प्रशिक्षण केन्द्र, बेदला, उदयपुर मे किया गया। जिसमे 32 एकल महिला लीडर्स ने भाग लिया। प्रशिक्षण का उद्देश्य कैसे संस्थान के काम को मजबूत किया जा सकता है, संस्थान के लिए चन्दा व सहयोग एकत्रित करना सीखना, एकल महिलाओ के मुद्दे कैसे पंचायत स्तर पर उठा सकते है सीखना, महिला अधिकार कानून की जानकारी सीखना व बैठक का संचालन करना व प्रभावी बैठक लेने का तरीका सीखना, बैठक लेने से पहले की तैयारी सीखना।

प्रशिक्षण के दौरान अन्तिम दिन मूल्यांकन मे लीडर्स ने बताया कि समूह चर्चा, रोल प्ले के माध्यम से पंचायत स्तरीय बैठक लेना, स्थानीय स्तर पर डोनेशन लेना, बैठक की तैयारी, मुद्दें उठाना आदि सीखा। जिससे हमे स्थानीय स्तर पर एकल महिलाओं के साथ कार्य करने मे काफी सहयोग मिलेगा। इस प्रशिक्षण के दौरान एक सहभागो ने बहिनो को

उद्बोधित करते हुए कुछ पंक्तियॉ कही ....

नयी मंजिलो का सफर, होता नही है आसान...बहिन
कठिन रास्ते ही होते है, हम एकल बहिनो की पहचान.
जो चुना है तुने, नया रास्ता, तोड़े है सारे बन्धन तो किस डर से तू भागती है
हरा दे इस डर को, दे सबको बता, और बुलन्द होंसलो से ये जता
कि हिम्मत है साथ तो डर कैसा, पहचान बने तेरी कुछ कर ऐसा........
कुछ कर ऐसा मेरी बहिन... कुछ कर ऐसा...।

सहरिया समाज की महिलाओं पर से हटे प्रतिबन्द

यह आसमां भी उतर आयेगा जमीन पर,
बस इरादो मे जीत की हुंकार होनी चाहिए.......

जैसा कि हम जानते हैं कि हमारे समाज की पितृसतात्मक सोच है। जिसके चलते सारे रीति रिवाज एवं प्रतिबन्ध महिलाओं के लिए लगाये जाते हैं। इसी के चलते कई क्षेत्र व समुदाय ऐसे हैं जहां पर जाति पंचायत एवं खाप पंचायतों का बहुत दबदबा है। हम अखबार व मिडिया के माध्यम से जान पाते है कि किस तरह से नियम, प्रतिबन्ध एवं रितिरिवाज व न्याय के नाम पर महिलाओं के साथ काफी अन्याय होता है। इसी प्रकार का एक नियम बारां जिले के अटरू ब्लॉक की बुआखेड़ी पंचायत में भी बना और संस्थान की एकल महिला लीडर विद्या पारीक के साथ मिलकर सहरिया समुदाय की महिलाओं ने उसके खिलाफ आवाज उठायी।

बारां जिले के अटरू ब्लॉक की बुआखेड़ी पंचायत में शहरिया समुदाय के लोग भी बहुत संख्या में रहते हैं और शराब पीकर काफी उत्पात मचाते रहते हैं और घर में महिलाओं और बच्चों के साथ मारपीट करते हैं। इसलिए महिलाओं ने शराब का मुद्दा उठाया तो जाति पंचों ने पुरूषों के शराब पीने पर प्रतिबंध लगा दिया। इससे नाराज पुरूषों ने भी महिलाओं की खिलाफत करने में कोई कमी नहीं काटी। उन्होंने भी महिलाओं के अकेले बाहर जाने पर, मोबाईल फोन रखने पर प्रतिबन्ध लगा दिया। और साथ ही 1100 रु जुर्माना भी रख दिया गया। कुछ महिनों तक यह समस्या चलती रही और महिलाऐं और उनमें भी खासतौर से एकल महिलाओं को काफी समस्याओं का सामना करना पड़ा। क्योंकि नियम बनाया गया था कि यदि कोई महिला बाहर जायेगी तो कम से कम तीन महिलाओं के साथ ही जायेगी। इससे एकल महिलाओं को काफी परेशानी हुई। उनका काम धन्धा बंद हो गया और लोगों ने अकेले मजदूरी पर रखना बंद कर दिया। बीमार है तो अस्पताल जाने में भी समस्या हो रही थी। जब समस्या बहुत गंभीर हो गयी तो गांव की बहनों ने संस्थान कार्यकर्ता विद्या पारीक को उससे अवगत करवाया। उन्होंने इस मुद्दे को संस्थान की अन्य महिला लीडर्स के सामने रखा और उन्होंने मार्गदर्शन किया तब बहिनो ने पंचायत स्तर पर निर्णय लिया कि समस्या का समाधान होना चाहिए। और एक टीम बनायी गई। उसी बीच जुलाई माह में समस्या अधिक बढ़ने के कारण विद्या पारीक ने सहरिया समाज के पंचों को बुलाया व संगठन की बहनों को भी बुलाया और उनसे इस समस्या के बारे में बात की और उनको कहा कि यदि आप ये प्रतिबन्ध नहीं हटायेंगे तो हम जिला कलेक्टर और आगे जयपुर तक भी जायेंगे। तब उन्होंने महिलाओं पर लगाये गये इन प्रतिबन्धों को अगस्त, 2018 में हटा दिया। परन्तु साथ ही पुरूषों पर लगाये प्रतिबंन्ध को भी हटा दिया। परन्तु संगठन के इस प्रयास से गांव की महिलाऐं और सभी एकल महिलाऐं बहुत खुश थी और सभी ने अपने काम धन्धे पर जाना शुरू कर दिया। व सभी गांव पंचायत की बहिनो ने संस्थान की बहिन को बहुत–बहुत धन्यवाद दिया। विद्या पारीक ने कहा कि अकेले– अकेले हम कुछ नही कर सकते यह सब आपकी एकजुटता का परिणाम है और संगठित रहने मे ही हम सब की शक्ति है।

❖कार्यकारिणी सदस्य बैठक

संस्थान कार्यकारिणी सदस्य बैठक वर्ष मे तीन बार आयोजित की गई व आवश्यकता पडने पर ज्यादा बार भी हो सकती हैं। इस वर्ष 4 कार्यकारिणी सदस्य बैठक आयोजित हुई। इस बैठक मे संस्थान आमसभा कमेटी द्वारा लिये गये निर्णयो का क्रियान्वयन, काम मूल्यांकन किया गया, संस्थान के प्रशासनिक कार्यो की जिम्मेदारी दी गई, बजट, वार्षिक गतिविधिया व आयोजना बनायी गई व संस्थान के कार्य मे आने वाली समस्याओं के समाधान पर चर्चा कर समस्याओं का समाधान किया गया।

❖ इस वर्ष की कार्यकारिणी सदस्य बैठके :

- प्रथम बैठक : 14 अप्रेल, 2018 स्थान, उदयपुर, संभागी – कार्य0 3 सहयोगी
- द्वितीय बैठक : 28, जुलाई 2018 स्थान, उदयपुर संभागी – 10 कार्य0 3 सहयोगी
- तृतीय बैठक : 8 दिस0 2018 स्थान, उदयपुर संभागी – 10 कार्य0 3 सहयोगी
- चतुर्थ बैठक : 24 मार्च, 2019 स्थान –उदयपुर संभागी – 8 कार्य0 3 सहयोगी

❖संस्थान आमसभा वार्षिक बैठक

एकल नारी शक्ति संस्थान की वार्षिक आमसभा बैठक दिनांक 24 मार्च, 2019 को आस्था प्रशिक्षण केन्द्र, बेदला उदयपुर मे आयोजित की गई। जिसमे संस्थान के 49 आमसभा सदस्यो ने भाग लिया। बैठक मे संस्थान की वार्षिक गतिविधिया की आगामी आयोजना, आडिटर का चयन, वार्षिक बजट, डोनेशन पर चर्चा की गई। साथ ही आगामी संस्थान की कार्यकारिणी चुनाव के बारें मे चर्चा की गई। व भविष्य मे कार्यकारिणी का सही चयन हो और मजबूत कार्यकारिणी आये इसके लिए सभी आमसभा सदस्यो ने मिलकर चुनाव के नियम पर चर्चा कर नियम भी बनाये।

❖ किसान महिला आयोजना बैठक –

दिनांक 4–5 अप्रेल 2018 को एकल नारी शक्ति संस्थान द्वारा आनन्दी संस्थान गुजरात के सहयोग से एक 7 संभाग की किसान एकल महिलाओं की आयोजना बैठक आयोजित की गई। जिसमे 7 संभाग की 29 किसान महिलाओ ने भाग लिया। बैठक का मुख्य उद्देश्य किसान महिलाओ की समस्या की पहचान व विश्लेषण करना, कैसे किसान एकल महिलाओं का आर्थिक सशक्तिकरण कर सकते है ? चर्चा, कैसे महिला किसान की पहचान को आगे ला सकते है, राजस्थान मे कैसे हम मकाम नेटवर्क के साथ जुड़कर किसान महिलाओ के काम को आगे लेकर जा सकते है। इस पर चर्चा की गई।

दो दिवसीय बैठक के दोरान किसान महिलाओ की समस्याओ पर समूह मे चर्चा की गई। जिसमे निकलकर आया कि रात्रि मे बिजली आने पर खेत मे पानी देने की समस्या, मौसम के कारण फसल खराब हो जाती है और मुआवजा पूरा नही मिलता, पति की मृत्यु के पश्चात लोन माफ होना चाािहए क्योंकि कर्जा चुक नही पाता है, खेत मे जानवरो की समस्या तारबन्दी होनी चाहिए, खाद् बीज सभी महिलाओ को नही मिल पाता बड़े लोग उसका फायदा उठाते है, भण्डारण की समस्या, अनाज बेचने की समस्या, खेत मजदूरी पूरी नही मिलना, पशु चिकित्सक की समस्या पशु बिमार होने पर गांव मे आते नही है इस प्रकार काफी समस्याऐ निकलकर आईं ।

जिसमे संभागियो ने निर्णय लिया कि राजस्थान के 7 संभाग के 14 जिलो के 14 ब्लाक से हम कार्य शुरु करना चाहिए। और केवल एकल महिला ही नही सभी गरीब किसान महिलाओ के लिए काम करना चाहिए। और एक राज्य स्तरीय सम्मेलन करने पर भी निर्णय लिया गया।

किसान महिला सम्मेलन मे समूह चर्चा करती व प्रस्तुतीकरण करती हुई किसान एकल महिलाऐ

23 जून अन्तर्राष्ट्रीय विधवा दिवस को मनाया एकल महिला सशक्तिकरण दिवस

विधवा दिवस पर सभी एकल बहिनो ने प्रधानमंत्री जी के नाम डाले अपनी समस्या लिखकर कर पोस्ट कार्ड....और भेजा यह सन्देश

म्हां एकल नारी की समस्या छैः घणी भारी.....
अब कोई तो करो समाधान दूर करबा ने पीडा हमारी।।

23 जून को संस्थान द्वारा ''महिला सशक्तिकरण दिवस' मनाया गया संस्थान द्वारा पहली बार 1 जून के स्थान पर 23 जून को अन्तर्राष्ट्रीय विधवा दिवस पर एकल महिला सशक्तिकरण दिवस मनाया गया। इस दिन सभी एकल बहिने जो संस्थान के साथ जुड़ी हुई है उन्होंने अपनी–अपनी ग्राम पंचायत, ब्लाक, जिले पर संगोष्ठी कर प्रधानमंत्री जी को अपनी समस्या लिखकर पोस्ट कार्ड डाले व व जहा ज्यादा समस्याऐ थी वहा उच्च अधिकारियों को एकल महिलाओं की समस्याओ का ज्ञापन सौंपा।

प्रधानमंत्री जी को पोस्ट कार्ड डालती एकल नारी

पोस्ट कार्ड एकल महिलाओ द्वारा पर पेंशन ,आवास, खाध सुरक्षा व एकल महिलाओ की व्यक्तिगत समस्याओं को लेकर लिखे गये। राजस्थान मे कुल 5500 पोस्ट कार्ड एकल महिलाओ दवारा डाले गये। कई एकल महिलाओं को प्रधानमंत्री कार्यालय से अपने पत्र का जवाब भी मिला। और उनका काम भी हुआ अब संस्थान द्वारा निर्णय लिया गया कि प्रतिवर्ष महिला सशक्तिकरण दिवस 23 जून को ही मनाया जायेगा।

एकल नारी, कभी ना हारी ......।

रेशमा बानो, एकल महिला लीडर

सफल केस स्टडी

कैसे कह दे कि अकेली हूॅ और थक गई मैं,
ना जाने किस–किस बहिन का हौंसला हूॅ मै।

जिला कोटा के खैराबाद ब्लाक की कुम्भकोट पंचायत में एकल महिलाओं के साथ ईमित्र वाला पेशंन देने मे घोटाला कर रहा था। एक महिना छोड़कर एक माह की पेशन दे रहा था। और एक हजार रु खुद खा रहा था। ऐसे मे जब कुम्भकोट पंचायत मे एकल बहिनो की संस्थान के द्वारा बैठक हुई तो उसमे मुद्दा निकलकर आया कि हमें हर माह अपनी पेशंन नही मिल रही। कार्यकर्ता ने सबकी पेंशन डायरी देखी तो उसमे एक माह छोड़कर एक माह की एन्ट्री थी। तो उसी समय कुछ गडबडी का एहसास हो गया। और कार्यकर्ता व एकल महिला लीडर्स ने सभी बहिनो के साथ तुरन्त ईमित्र वाले को फोन किया जिसका नाम गोपाल था। ओर पेशन गडबडी की सारी बात का जवाब मांगा तो बोलने लगा कि जो आती है वही देता हूॅ मेरे पास से थोड़ी ना दूंगा। तो सभी बहिनो ने कहा कि हम अभी तेरी शिकायत लिखकर दे रहे है। और उसे धमकाया तो वो तुरन्त बैठक मे आ गया ओर तीन बहिने जो बैठक मे उपस्थित थी उन्हें 1000–1000 रु दे दिये । साथ ही बाकि महिलाओ को भी वापस पैसे लोटाने के लिए कहा। तीन एकल बहिनो को तुरन्त पैसा मिलने से वह बहुत खुश हुई। उन्होंने कहा कि संस्थान द्वारा दी गई हर जानकारी हमारे लिए उपयोगी है। इससे सैकडो बहिनो का फायदा होगा। ओर अब वह आदमी सभी को बराबर पेंशन राशि दे रहा है।

बहिनो की जुबानी एकल महिला के पंचायत मे संगठित होकर काम करने की कहानी

हम गरीब बहिनो को दो साल से निशुल्क खाद् बीज नही मिल रहा था, बड़े–बडे लोग इसका फायदा उठा रहे थे। और हमारे गांव मे एकल नारी की बड़ी बैठक हुई। जिसमे सैंकडो महिला–पुरुषो ने भाग लिया। और 50 एकल बहिनो को बैठक के बाद ही निशुल्क खाद् बीज उपलब्ध हुआ।

(कमला बाई – बाड़मेर जिला, चोहट्टन ब्लाक, आलनसर पंचायत से)

हमारी पंचायत मे एकल महिलाओं की कोई सुनवाई नही थी, जब से एकल महिलाओं की बैठक हमारी पंचायत मे हुई। सरपंच साहब भी हमे बहुत मदद कर रहे है और हमारे जॉब कार्ड काफी समय से नही मिल रहे थ, वो भी हमे मिल गये। जिन एकल महिलाओं के आवास नही है सरपंच साहब खुद सभी के घरो की स्थिति का फोटो खीच कर लेकर गये। ओर अब गांव मे हमारी अपनी पहचान है।

(कुन्ती पवार व चित्रा, धोलपुर जिला, बसेडी ब्लाक, बनोरा पं0 से)

अजमेर मे मनाया राज्य स्तरीय बहिना दूज'' जश्न

एकल बहिनो ने धूमधाम से मनाया ''बहनादूज'' जश्न बहिनचारे का....

बहिनादूज मनायेगे, नयी पहचान बनायेगे.....।।

संस्थान द्वारा नवम्बर 2016 मे कोटा मे की गई ''बहिनादूज जश्न एक बहिनचारे'' की पहल एक सराहनीय जश्न/उत्सव बना। और उसी कार्यक्रम को एकल बहिनो के साथ–साथ समाज के अन्य लोगो ने भी बहुत सराहा जिसकी वजह से संस्थान द्वारा निर्णय लिया कि हम प्रति वर्ष राज्य स्तर पर यह कार्यक्रम आयोजित करेगे।

बहिनो का सोच है कि समाज मे जहा यह धारणा बनी हुई है कि महिला– महिला की दुश्मन है ऐसी धारणा सोच समाज से समाप्त होना चाहिए। और महिला से महिला का रिश्ता जोडने मजबूत करने की आज की समय की बडी आवश्यकता है। साथ ही सभी धर्म, जाति व समुदाय के लोगो मे सद्भावना व प्रेम बना रहे उसके लिए समाज मे इस तरह के प्रयास होना चाहिए।

15–16 नवम्बर, 2018 को रेडक्रास सोसायटी, अजमेर मे तृतीय़ बहिनादूज कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसका उद्घाटन डा0 जीनी श्रीवास्तव, पीयूसीएल से कविता श्री वास्तव, आजाद फाउन्डेशन से अनिता माथुर व संस्थान अध्यक्ष लाली धाकड़ द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस दो दिवसीय कार्यक्रम मे राजस्थान के 25 जिलो की 220 एकल महिला व 25 अन्य सामाजिक संस्था/संगठन के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

समाज में बनी सामाजिक कुरितियों को तोडते हुऐ सभी बहिनो ने लाल चुनरिया ओढ कर एक दुसरे का तिलक लगाकर रक्षा व प्रेम का सूत्र बांधा और एक दुसरे से गले मिली व साथ एक दुसरे के हाथ पकडकर वादा किया प्रण लिया। कि ''**हम ना हिंसा करेगे ना खुद सहन करेगे और ना ही किसी महिला पर होने देगे।** सभी ने एक दुसरे पर फूलो की बारिश की व जोश पूर्ण गीत नारो से पूरा हॉल गूंजायमान कर दिया।

बहिनादूज मे आये सभी मेहमानो ने अपने–अपने विचार रखे व बहिनो ने भी अपनी खुशी व अभिव्यक्ति की। ओर साथ ही एकल महिलाओं की मांगो व समस्याओ को लेकर प्रधानमंत्री के नाम एक ज्ञापन तैयार किया गया। द्वितीय दिवस सभी बहिनो ने रैली आयोजन कर जिला कलेक्टर आरती डोगरा को प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौपा। जिसमे मुख्य रुप से पेंशन, खाद् सुरक्षा, आवास, शिक्षा व महिला सुरक्षा से सम्बन्धित मांगे रखी गई।

बहिनादूज कार्यक्रम के लिए प्राप्त डोनेशन केश व काइन्डस

अन्य व्यवस्था व सहयोग के रुप मे आया काईन्डस डोनेशन सूची

क्र0सं.	दान/सहयोग देने वाले साथी	सहयोग राशि का लागत मूल्य
1	किराना सामग्री व भोजन सामग्री एकल बहिनो के सहयोग से	10,000.00 रु
2	अन्य दानदाताओ से स्टेशनरी, फोटो कॉपी, बेनर आदि के रुप मे सहयोग से	10,400.00 रु की सामग्री का सहयोग किया।
3	220 संभागियो द्वारा स्वय का किराया वहन करके सहयोग दिया।	अनुमानित लागत राशिः 1,10,000.00 रुपये
कुल सहयोग लागत राशि :		1,30,400.00

- कुल केश, डोनेशन –1,18,559.00
- काईन्डस डोनेशन व बहिनो के यात्रा व्यय स्वयं वहन करने का सहयोग से अनुमानित लागत राशि – – 1,30,400.00

केश व काईन्डस कुल डोनेशन – 2,48,959.00

कार्यक्रम के दोरान आये संभागी व मेहमानो ने रखे अपने विचार

हम बहिनो को संस्थान से जुड़ने के बाद बहुत ताकत मिली है ओर जब भी हर साल इस कार्यक्रम मे भाग लेते है लगता है हजारो लोगो का परिवार है

प्रेम बाई – बांरा, संभागी

आप आधी से ज्यादा लड़ाई तो जीत चुके हैं। आज आप यह बहिना दूज कार्यक्रम ‘‘जश्न बहिनचारे का’’ बहुत सुन्दर तरीके से ईद व दीपावली की तरह से मना रहे है तथा सामुहिक सद्भावना का सन्देश देते हुए बताया कि हमें एकता बनाकर रहना है।

सु.श्री कविता श्रीवास्तव, पीयूसीएल

एकल महिलाऐं रितिरिवाजों को तोड़ कर काफी आगे आई है और आजाद द्वारा महिलाओं को सभी तरह की गाड़ी चलाना सिखाया जाता है ताकि महिलाऐं अपने आप को पुरूषों के बराबर समझे। आज के समय मे महिलाऐ सभी क्षेत्रो मे आगे आ रही है। तो आपको अपनी बेटी बहु व स्वंय को इसके लिए आगे आना चाहिए।

श्रीमती अनिता माथुर, आजाद फाउन्डेशन

देश मे नफरत भरे माहोल मे कैसे हम सब बहिने मिलकर ‘शान्ति और सद्भावना ला सकते है। ओर बहिनचारा व भाईचारा फैला सकते है। हम सबका इन्सानियत व मानवता एक ही धर्म हैं हम सब ईन्सान है। हमे सबका दुख समझना चाहिए एक दूसरे की मदद करनी चाहिए।

डा0 जीनी श्रीवास्तव, संस्थापक, ईएनएसएस

‘‘आ बहिन कभी रक्षा सूत्र बांधकर
बहिनादूज मनाये......
कभी गले मिलकर ईद मनाये....
तोड़कर सारे जाति धर्म के बन्धन
बहिनचारे को निभाये

राज्य स्तरीय महिला किसान सम्मेलन

सौ मे सत्तर काम हमारे, लिखो बहि मे नाम हमारे.....

खेत मे खलिहान मे फिर क्यों नही विधान मे .....।

जयपुर मे 12 –13 मार्च, 2019 को सेवा सदन, आदर्श नगर, जयपुर मे संस्थान द्वारा दो दिवसीय राज्य स्तरीय महिला किसान सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन का शुभांरम्भ जोशपुर्ण गीत–नारे के साथ डा0 जीनी श्रीवास्तव, अनिता माथुर व संस्थान अध्यक्ष लाली धाकड व अन्य बुर्जुग किसान महिलाओं ने मिलकर किया।

सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य महिला किसान की पहचान, महिलाओं को खेती किसानी के क्षेत्र मे आने वाली मुख्य समस्याओ की पहचान व विश्लेषण करना, महिलाओं को जमीन सम्पत्ति का अधिकार, महिला किसान के राष्ट्रीय नेटवर्क के बारे में जानना, सरकारी की कृषि, पशुपालन, कॉपरेटिव सोसायटी, नाबार्ड की योजनाओं के बारे मे जानना, राजस्थान की अलग–अलग क्षेत्र मे महिला किसानों की सफल स्टोरी के बारे मे जानना व अनुभव साझा करना, राजस्थान मे महिला किसानो के मंच बनाने पर चर्चा, सरकार व संगठन से किसान महिलाओं की क्या अपेक्षा है? इसके बारे मे जानना, वर्तमान मे सरकार द्वारा ऋण माफी की जमीनी स्तर पर क्या स्थिति है इसके बारे मे जानना व आगामी कार्य आयोजना बनाना।

सम्मेलन के दौरान किसान महिला की समस्या पर समूह मे बात करती सदस्याऐ

सम्मेलन के दौरान किसान एकल महिलाओं के संभाग वाईज समूह बनाकर एकल महिला किसानो की अलग–अलग समस्याओं के बारे मे चर्चा की गई जिसमे मुख्य रुप से निकल कर आई समस्याऐं महिलाऐं जमीन व फसल का सारा काम करती हैं परन्तु अधिकार नही हैं। राज्य में कुल भुमालिकों में

केवल 8 प्रतिशत महिलाऐं हैं जो कि कुल भूमि की 6 प्रतिशत की स्वामी है। संविधान में बराबरी का अधिकार होने के बावजूद ये आंकडे साफ दर्शाते हैं कि सामाजिक रूप से महिलाओं को आज भी दूसरा दर्जा ही हांसिल है। बहुत सी महिलाऐं खेत मजदूरी करती है। लेकिन दिनभर की कमरतोड मेहनत के बाद उन्हें न्यूनतम मजदूरी भी नहीं मिल पाती साथ ही मजदूर होने के नाते उनकी कोई भी अधिकार सुनिश्चित नहीं हैं। ना तो वह चोट लगने पर मुआवजे का दावा कर सकती है और न ही यौन शौषण होने या पूरी मजदूरी न मिलने की शिकायत करने की कोई प्रभावी व्यवस्था है। जो महिलाऐं सिमान्त और लघू किसान है वह अपने खेत से परिवार के लिए साल भर का अनाज भी प्राप्त नहीं कर पाती हैं। परिवार की आय बढाने के लिए पशुपालन करने वाली महिलाओं के पास पशु व चारा रखने के लिए सुरक्षित स्थान भी नहीं है। भण्डारण की व्यवस्था न होने से फसल निकलते ही कम दामों बेचने की मजबूरी है जिसके कारण फसल के सही दाम नहीं मिल पाते हैं। वन उपज संग्रहण करने वाली महिलाओं को वन विभाग द्वारा बहुत परेशानी दी जाती है! महिलाओं ने वनसंरक्षकों द्वारा सामान छीनने, मारपीट करने, औचार जब्त करने और रिश्वत की मांग करने की बात कही।

सम्मेलन के दोरान नाबार्ड से श्री रोबिन सिंह, कृषि विपणन बोर्ड से श्री केसर सिंह, पशुपालन निदेशालय से डॉ. आर.एल. मीणा, बागवान विभाग के अतिरिक्त निदेशक डॉ. शरद गोधा और कृषि अधिकारी श्रीमती पूनम शर्मा द्वारा विभागीय यौजनाओं की जानकारी दी। कृषक उत्पादक संघ के माध्यम से संगठित होकर खेती करने के फायदे बाताये गये। साथ ही सीमान्त व लघु किसानों के लिए कृषि के साथ ही पशुपालन, बागवानी व अन्य व्यवसायों से जुडने पर बल दिया गया।

साथ ही महिला जमीन व जमीन अधिकार, राष्ट्रीय मकाम नेटवर्क के बारे मे भी संभागियो ने जाना व समझा। व कैसे आगे किसान महिलाओ के सशक्तिकरण के लिए कार्य करेगे। इसकी आयोजना समूहो मे बनायी गई। व मुख्यमंत्री, कृषि मंत्री व कृषि सचिव के नाम किसान महिलाओ की समस्याओ का मांग प़त्र तैयार कर दो प्रतिनिधी मण्डल द्वारा मुख्यमंत्री के पीए, कृषि मंत्री, कृषि सचिव को दिया गया।

सफल केस स्टडी

आखिर स्वच्छ पानी भी हमारा अधिकार है....।

कमला देवी वार्ड नं0 9 पुष्कर, जिला अजमेर मे एकल महिला लीडर है जो कि पुष्कर मे 5 वार्ड व बस्तियो मे एकल महिलाओ के साथ उनकी समस्या समाधान का कार्य करती है। 2 नवम्बर 018 को जब वह वार्ड नं 9 मे बैठक ले रही थी तो वहा महिला व पुरुषों ने नल मे बहुत समय से गन्दा पानी आने की शिकायत की उन्होंने बोला कि हमारी तो कोई सुनता ही नही है। हम कहा जाये ? फिर कमला बाई व अन्य एकल महिला लीडर्स ने मिडिया वालो को बुलाया और बोटल मे पानी का सेम्पल लेकर उनको बताया। फिर उस पानी को लेकर सभी महिलाऐ वाटर सप्लाई के आफिस गई। और अधिशासी अभियन्ता को शिकायत की ओर अखबार मे भी निकलवाया तो फिर नल मे दो दिन बाद साफ पानी आना शुरु हुआ। ओर सभी कॉलोनी के लोगो ने सभी एकल महिला व लीडर्स को धन्यवाद दिया। और सभी को बोला कि एकल महिला का ही नही यहॉ सबका काम होता है। और सभी ने संस्थान की होने वाली बैठक का सहयोग करने के लिए कहा।

इस वर्ष की संस्थान की उपलब्धियॉ

महिला सुरक्षा एंव सलाह केन्द्र – कोटा शहर

राजस्थान सरकार द्वारा 2011 मे महिला सुरक्षा एंव सलाह केन्द्र, कोटा शहर संचालित करने की जिम्मेदारी एकल नारी शक्ति संस्थान को दी गई ह। संस्थान पिछले 9 सालो से केन्द्र का सफलतापूर्वक संचालन कर रहा है।

जिसमे इस वर्ष 2018–2019 मे केन्द्र द्वारा प्राप्त प्रकरण 484 व 476 मे सलाह, परामर्श व मार्गदर्शन देकर समस्या का निदान किया गया। मुख्य रुप से कुछ आकड़े है –

- पिड़ित महिलाओ के संरक्षण हेतू सम्बन्धित व्यक्तियो को पुलिस द्वारा पाबन्दी मे सहयोग – 93
- कोर्ट द्वारा भरण पोषण आदेश की पालना करवाने मे सहयोग – 23
- महिलाओं को ससुराल पक्ष से स्त्रीधन वापस दिलवाया – 21
- पिड़ित महिला को ससुराल से उसके बच्चे दिलवाने मे सहयोग किया – 24
- निराश्रित महिलाओं को आश्रय दिलवाया – 4
- मेडिकल मुआयना करवाने मे सहयोग – 4
- एफआईआर दर्ज करवाने मे सहयोग – 10
- पुलिस परिवाद दर्ज करवाने मे सहयोग – 56
- कानूनी सलाह व परामर्श – 95
- अन्य विभिन्न प्रकार की समस्या मे सलाह, मार्गदर्शन व परामर्श के माध्यम से पिड़ित महिलाओं को सहयोग किया।

कुल 330 केसो मे पिडित महिलाओं की समस्या समाधान मे सहयोग किया गया।

संस्थान सदस्यो द्वारा एकत्रित डोनेशन रिकार्ड 2018–2019

- ☞ सदस्यों द्वारा स्थानीय पर चन्दा की गई राशि पैसो के रुप में – 1,52,002.00
- ☞ कार्यक्रम मे व्यवस्थाओं व सहयोग के रुप में लिया गया डोनेशन जिसकी अनुमानित लागत राशि – 1,30,000.00
- ☞ संस्थान का सदस्यता शुल्क – 882
- ☞ महिला सुरक्षा एंव सलाह केन्द्र का राज0 सरकार द्वारा – 2,77,724.00

कुल राशि काईन्डस एण्ड केश डोनेशन : 5,60,608.00

एकल नारी शक्ति संस्थान द्वारा किये गये कार्य के आंकड़े
अप्रेल 2018–मार्च 2019

	Questions	Kind of Benefit Which the Association of Strong Women Alone Helped the Single Women to Access किन योजनाओ म एकल महिलाओ को सरकारी योंजनाओ का लाभ दिलवाने मे सहयोग किया	Numbers of Benefits Apr. 2018 - March 2019 लाभार्थी
1	How many Pension Forms were filled? कितने पेंशन सामाजिक सुरक्षा पेंशन के फार्म भेर?	Widows विधवा पेंशन	2413
		Old Age Person वृद्वा पेंशन	1396
		Separated Women परित्यकता पेंशन	663
		Handicapped / Differently Abled विकलांग एकल महिला	366
2	How many Pension Forms were Sanctioned? कितनी पेंशन स्वीकृत हुई ?	Widows विधवा पेंशन	2581
		Old Age Person वृद्वा पेंशन	1667
		Separated Women परित्यकता पेंशन	764
		Handicapped / Differently Abled विकलांग एकल महिला पेंशन	195
3	How many Pension Forms that were Stopped or "Stuck Up", Started Again? कितनी रुकी हुई पेंशन वापस शुरु करवायी ?	Widows विधवा पेंशन	470
		Old Age Person वृद्वा पेंशन	140
		Separated Women परित्यकता	41
		Handicapped / Differently Abled विकलांग एकल महिला	50
4	How Many Single Women Members were Helped to Apply For and Access Government Programme and Scheme Benefits कितनी एकल महिलाओं की सरकारी सामाजिक सुरक्षा योजनाओ मे आवेदन करन व लाभ दिलवाने का कार्य किया	Filled Form for "*Panna Dhaya*" grant on death of husband (पति की मृत्यु के पश्चात् पन्नाधाय अमृत योजना के फार्म भरे)	85
		Sanctioned स्वीकृत हुऐ	92
		Filled Form for "Widow *Palanhar Yojana*" to get monthly Rs. 675-1000 grant for children's education पालनहार योजना के फार्म भरे।	1520
		Sanctioned स्वीकृत	1479
		Destitute Children's Home Form Filled निराश्रित बालगृह के फार्म भरवाये।	21

		Sanctioned स्वीकृत	2
		Filled Form for Widow **Remarriage Grant** विधवा पुर्नविवाह के फार्म भरवाये	521
		Sanctioned स्वीकृत	229
		Filled Form for Daughter of Widow Marriage Expenses Grant विधवा की बेटी कीशादी का अनुदान फार्म भरवाया	73
		Sanctioned स्वीकृत	37
		Application to Add Name to B.P.L. List बीपीएल सुची मे नाम जुड़वाया	531
		Sanctioned स्वीकृत	40
		Getting Ration / Grain from Ration Shop राशन की दुकान से अनाज दिलवाया जहा समस्या आ रही थी।	1921
		Obtained Free Seeds and Fertilizer फ्री खाद् व बीज दिलवाया	18
		Getting Employment / Work रोजगार दिलवाया	2809
		Getting NREGA Job Card Made नरेगा मे जॉब कार्ड दिलवाये	1305
		Filling Form for PM *Aawas Yojana (*House) Grant प्रधानमंत्री आवास योजना के फार्म भरवाये	1457
		Sanctioned स्वीकृत	485
		Getting Health Benefits 1. Getting Free Medicines फ्री दवाई दिलवायी 2. Helped in Getting Operation आपरेशन मे हेल्प करवायी	 2384 171
5	The Association Leaders Helped Members to Make the Following Certificates – संस्थान लीडर्स ने एकल महिलाओ के प्रमाण पत्र बनाने मे सहयोग किया	Death Certificate (needed for widow pension) मृत्यु प्रमाण पत्र	768
		Mool Niwasi (Residence Proof) Certificate मूल निवासी प्रमाण पत्र	932
		Making Caste Certificate जाति प्रमाण पत्र	951

		Annual Income Certificate वार्षिक आय प्रमाण पत्र	666
		Marriage Certificate विवाह प्रमाण पत्र	267
		Birth Certificates जन्म प्रमाण	655
6	Helped with Accessing Rural Development Services and Benefits ग्रामीण विकास के कार्य मे सहयोग व लाभ	Helped to Get a Handpump Installed in the Village हेडपम्प लगवाये व रिपेरिंग करवाये	138 new नये 21old repaired पुराने रिपेयर
		Getting a village road made, with stones, to allow vehicles to come and go खंरचा बनवाने मे सहयोग	58
		Electricity Connection बिजली लगवाने मे सहयोग	417
		Toilets made शौचालय बनवाने मे सहयोग	52
		Bhamashah cards made भामाशाह कार्ड बनवाने मे सहयोग	39
		Aadhar Card आधार कार्ड बनवाने मे सहयोग	55
		Gas connection गैस कनेक्शन उज्जवला योजना	856
		Tubewell ट्यूब वेंल लगवायी	2
		Other अन्य	
7	How Many Single Women Were Counselled? कितनी एकल महिलाओ को परामर्श दिया		4231
8	How Many Counselling Cases Resulted in a Successful Conclusion? कितनी एकल महिलाओं के केसो मे समझाईश की		145
9	How Many Cases of Atrocities or Violence Against Single Women Came to the Association for Help? कितने महिला अत्याचार/ हिंसा के कितने केस आये	Physical Atrocities / Violence शारिरीक अत्याचार / हिंसा	63
		Mental Atrocities / Violence स्वीकृत मानसिक अत्याचार/ हिंसा	46
		Sexual Violence यौनिक हिंसा	3

10	How Many Cases of Violence Against Single Women Were Solved? कितने महिला अत्याचार व हिंसा के केस निपटाये	Physical Atrocities / Violence शारिरीक अत्याचार / हिंसा	47
		Mental Atrocities / Violence मानसिक अत्याचार / हिंसा	19
		Sexual Violence यौंनिक हिंसा	13
11	How Many Land-Related Cases Came to the Association for Help? कितने जमीन सम्बन्धी केस आये ?	Division of Land Ownership in the Land Records (*Bantwara*) जमीन का बटवांरा सम्बन्धी	35
		Illegal Possession by Another Person on Land Owned by a Single Woman जमीन का कब्जा का केस	20
12	How Many Land-Related Cases Were Solved in Favour of the Single Women? कितने जमीन केस सम्बन्धी केस निपटाये ?	Division of Land Ownership in the Land Records (*Bantwara*) जमीन बटवारे सम्बन्धी निपटाये	27
		Illegal Possession by Another Person on Land Owned by a Single Woman जमीन का कब्जा सम्बन्धी केस निपटाये	16
		Other अन्य	6
13	How Many Cases of Transferring the Ownership Name of Land Previously Owned by the Deceased Husband, was Done in Favour of the Widow – in the land records of the *Patwari* (I*ntkal Khata Khulvana*?) कितने इन्तकाल के खाते खुलवाये		98
14	How Many Police Cases Were Filed? कितने पुलिस केस करवाये	Atrocities on Single Women महिला अत्याचार के केस	41
		Solved समाधान	32
		Land Related Cases Filed जमीन सम्बन्धी केस	20
		solved समाधान	14
		Other अन्य	11
15	How Many Single Women, With the Support of the Association of Strong Women Alone, Broke the Cruel Caste and Community Customs and Brought Change in Their Lives? कितनी एकल महिलाओ ने संस्थान की मदद से रीति रिवाजो, समाज द्वारा एकल महिला के लिए निर्धारित माप–दंडो मे परिवर्तन लाया।		4356

कार्यक्रम की कुछ झलकियॉ

23 जून को विधवा दिवस पर प्रधानमंत्री को अपनी समस्याऐ लिखकर पत्र डाली सदस्य

किसान महिला सम्मेलन मे प्रेस कांफ्रेस करती संस्थान पदाधिकारी

किसान महिला सम्मेलन मे अपने विचार रखती महिला किसान